भारत सरकार

पर्यटन मंत्रालय

लोक सभा

लिखित प्रश्न सं. 3958

सोमवार, 28 मार्च, 2022/7 चैत्र, 1944 (शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

ताल छापर वन्यजीव अभयारण्य का पर्यटक केंद्र के रूप में विकास

3958. श्री राहुल कस्वां:

क्या **पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या यह सच है कि 25 प्रतिशत से अधिक विदेशी पर्यटक अकेले राजस्थान आते हैं, जोकि देश में सर्वाधिक हैं;

(ख) यदि हां, तो विशेषकर राजस्थान के संदर्भ में गत पांच वर्षों के दौरान तत्संबंधी देश/पर्यटक-वार ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या सरकार का चुरू के ज़िला मुख्यालय में स्थित ताल छापर वन्यजीव अभ्यारण्य और कुआं (बावड़ी) के सुदृढ़ीकरण और जीर्णोद्धार द्वारा विश्वस्तरीय पर्यटन स्थल/स्मारक बनाने का विचार है, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(घ) क्या सरकार का उक्त पर्यटन स्थलों के लिए निधि जारी करने का विचार है और यदि हां, तो इसे कब तक जारी किए जाने की संभावना है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं;

(ङ) क्या सरकार का राजस्थान के होटलों को खाद्य एवं शिल्प संस्थान के तहत प्रबंधन संस्थान के रूप में उन्नयन करने के लिए प्रशासनिक और वित्तीय अनुमोदन प्रदान करने का विचार है; और

(च) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर

पर्यटन मंत्री (श्री जी. किशन रेड्डी)

(क) : जी, नहीं महोदय ।

(ख) : प्रश्न ही नहीं उठता है।

(ग) से (घ) : पर्यटन मंत्रालय अपनी 'स्वदेश दर्शन' और तीर्थस्थल जीर्णोद्धार और आध्यात्मिक, विरासत संवर्धन अभियान (प्रशाद)' पर राष्ट्रीय मिशन की योजनाओं के तहत राजस्थान सहित देश में पर्यटन अवसंरचना विकास के लिए राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्र (यूटी) प्रशासनों की वित्तीय सहायता प्रदान करता है । उपरोक्त योजनाओं के अंतर्गत राज्य

सरकारों/संघ राज्य क्षेत्र प्रशासनों द्वारा परियोजना प्रस्तावों को प्रस्तुत करना एक सतत प्रक्रिया है । परियोजनाओं को निधियों की उपलब्धता, उपयुक्त विस्तृत परियोजना रिपोर्टों की प्रस्तुत, योजना दिशानिर्देशों का अनुपालन और पूर्व में जारी की गई निधियों के उपयोग आदि के तहत स्वीकृत किया जाता है।

पर्यटन मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा स्वीकृत चुरू जिले सहित राजस्थान में प्रशाद और स्वदेश दर्शन के तहत स्वीकृत परियोजनाओं का विवरण **अनुबंध** में हैं । इन योजनाओं के तहत परियोजनाएं कार्यान्वयन के विभिन्न चरणों में हैं ।

(ड.) और (च) : खाद्य एवं शिल्प संस्थान के अंतर्गत प्रबंधन संस्थान के रूप में राजस्थान के होटलों का उन्नयन करने के लिए राजस्थान सरकार से पर्यटन मंत्रालय को कोई प्रस्ताव प्राप्त नहीं हुआ है।

*****

अनुबंध

ताल छापर वन्यजीव अभयारण्य का पर्यटक केंद्र के रूप में विकास के संबंध में दिनांक 28.03.2022 के लोक सभा के लिखित प्रश्न सं. 3958 के भाग (ग) और (घ) के उत्तर में **विवरण**

स्वदेश दर्शन योजना के तहत राजस्थान में स्वीकृत परियोजनाओं की सूची

(करोड़ रु. में)

क्र.सं.	**परिपथ**	**स्वीकृति वर्ष**	**परियोजना का नाम**	**स्वीकृत राशि**	**निर्मुक्त राशि**
1.	मरुस्थल परिपथ	2015-16	सांभर लेक टाउन और अन्य स्थलों का विकास	50.01	51.17
2.	कृष्णा परिपथ	2016-17	गोविंद देव जी मंदिर (जयपुर),गोविंद देवजी मंदिर (जयपुर) खाटू श्यामजी (सीकर) और नाथद्वारा (राजसमंद) का एकीकृत विकास	75.80	60.64
3.	आध्यात्मिक परिपथ	2016-17	चूरू (सालासरबालाजी) - जयपुर (श्री समोदेबालाजी, घाटकेबालाजी, बांधेके बालाजी) अलवर (पांडुपोल हनुमानजी, भरथरी) - विराटनगर (बिजाक, जैनासिया, अंबिका मंदिर) - भरतपुर (कामन क्षेत्र) - धौलपुर मुचकुंद-मेंहदीपुर बालाजी-चित्तौड़गढ़ (सांवलियाजी) का विकास	93.9	68.24
4.	विरासत परिपथ	2017-18	राजसमंद (कुंभलगढ़ फोर्ट) - जयपुर (नाहरगढ़ किला) - अलवर (बालाकिला) - सवाईमाधोपुर (रणथंभौर किला और खंडार किला) - झालावाड़ (गागरोनफोर्ट) - चित्तौड़गढ़ (चित्तौड़गढ़ किला) जैसलमेर (जैसलमेर किला) हनुमान गढ़ (कालीबंगन भटनेर किला और गोगामेदी) जालौर (जालौर का किला) - उदयपुर (प्रताप गौरव केंद्र) - धौलपुर (बाग-ए-निलोफ़र और पुरानी छावनी) - नागौर (मीराबाई	72.49	56.57

			स्मारक) का विकास		

प्रशाद योजना के तहत राजस्थान में स्वीकृत परियोजनाओं की सूची

(करोड़ रुपये में)

क्र.सं.	**परियोजना का नाम**	**स्वीकृति का वर्ष**	**स्वीकृत लागत**	**निर्मुक्त राशि**
1.	पुष्कर /अजमेर का एकीकृत विकास	2015-16	32.64	26.11

स्वदेश दर्शन योजना के तहत चुरू जिले में स्वीकृत घटक का विवरण निम्न प्रकार है।

क्र.सं.	**गंतव्य**	**स्वीकृत राशि (करोड़ में)**	**मुख्य घटक**	**वित्तीय प्रगति**	**भौतिक प्रगति**
1.	सालासर बालाजी	6.77	• 5 पार्किंग स्थल • पार्किंग के लिए एप्रोच रोड • शौचालय ब्लॉक, • हाई मास्ट लाइट्स • साधारण सुविधाएं • संकेतक	95%	100%

******